

MARK SCHEME for the October/November 2013 series

8687 HINDI LANGUAGE

8687/02

Paper 2 (Reading and Writing), maximum raw mark 70

This mark scheme is published as an aid to teachers and candidates, to indicate the requirements of the examination. It shows the basis on which Examiners were instructed to award marks. It does not indicate the details of the discussions that took place at an Examiners' meeting before marking began, which would have considered the acceptability of alternative answers.

Mark schemes should be read in conjunction with the question paper and the Principal Examiner Report for Teachers.

Cambridge will not enter into discussions about these mark schemes.

Cambridge is publishing the mark schemes for the October/November 2013 series for most IGCSE, GCE Advanced Level and Advanced Subsidiary Level components and some Ordinary Level components.

Page 2	Mark Scheme	Syllabus	Paper
	GCE AS LEVEL – October/November 2013	8687	02

भाग 1

1 नीचे दी गई प्रत्येक परिभाषा के लिए उपर्युक्त आलेख में लिखित उन शब्दों या उक्तियों को लिखिए जिनसे उनका अर्थ स्पष्ट हो जाए।

उदाहरण: धड़कता

उत्तर: स्पंदित (para.1)

- | | | | |
|-----|----------|------------------|-----|
| (a) | रूप | (para.1)आकार | [1] |
| (b) | संस्था | (para.2)संगठन | [1] |
| (c) | सामने | (para.2)सम्मुख | [1] |
| (d) | नियोजन | (para.3)व्यवस्था | [1] |
| (e) | व्याख्या | (para.4)निरूपण | [1] |

[पूर्णांक:5]

2 निम्नलिखित प्रत्येक शब्द या उक्ति का प्रयोग करते हुए अपने शब्दों में ऐसे वाक्य बनाइए जिससे उनका अर्थ स्पष्ट हो जाए।

उदाहरण: भेड़ों का रेवड़ (para.4)

उत्तर: मानव-समूह एक भेड़ों का रेवड़ नहीं है जो आंख बंद करके एक दूसरे के पीछे चलता रहे।

- | | | | |
|-----|-----------------|----------|-----|
| (a) | निकटता | (para.1) | [1] |
| (b) | अरसे से | (para.2) | [1] |
| (c) | उल्लू सीधा करना | (para.3) | [1] |
| (d) | पगडंडी | (para.3) | [1] |
| (e) | लकीर के फ़कीर | (para.4) | [1] |

Page 3	Mark Scheme	Syllabus	Paper
	GCE AS LEVEL – October/November 2013	8687	02

3 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में दीजिए। आलेख के वाक्यों की नकल न करें।

(प्रत्येक प्रश्न के अंत में अंकों की संख्या दी गयी है। इसके अतिरिक्त आपके उत्तरों की भाषा और शैली के लिए 5 अंक निर्धारित किये गये हैं।) [पूर्णांक:15+5=20]

(a) समाज का जन्म किस लिये हुआ? कारणों सहित उत्तर दीजिए। [3]
प्रेम/निकटता/शारीरिक सुरक्षा/मानसिक शक्ति/भावना

(b) समाज मनुष्य के जीवन में कठिनाइयाँ कैसे उत्पन्न कर सकता है? [3]
सामाजिक मान्यताओं की कठोरता/निज भावनाओं का कोई स्थान नहीं/ नयी सोच के प्रति असहनीयता

(c) जन्तु समाज के तीन नियमों का उल्लेख कीजिए। [3]
बंधन नहीं/परम्पराओं का अंकुश नहीं/पूरे समूह को संरक्षण देना/बाधाएं उत्पन्न नहीं करना

(d) मानव और भेड़ों की तुलना कैसे और क्यों की गयी है? लिखिए। [3]
मानव=भेड़/समाज=रेवड़/समाज के दिखाए गए रास्ते= पगडंडी/चरवाहा=अग्रजन/
हांकते हुए=रास्ता दिखाते हुए
(कोई तीन)

(e) 'परम्पराएं गलत नहीं होती, गलत होता है उनका निरूपण' इस वाक्य से लेखक का क्या तात्पर्य है? [3]

परम्पराएं अपने युग में किसी विशेष कारण हेतु स्थापित की जाती हैं/समय के अनुसार इन का विश्लेषण करते हुए सुधार न करें तो इसमें परम्परा का दोष नहीं/दोष है उसकी व्याख्या और उसकी पैरवी करने वालों में

[पूर्णांक:20]

Page 4	Mark Scheme	Syllabus	Paper
	GCE AS LEVEL – October/November 2013	8687	02

4 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में दीजिए। आलेख के वाक्यों की नकल न करें।

(प्रत्येक प्रश्न के अंत में अंकों की संख्या दी गयी है। इसके अतिरिक्त आपके उत्तरों की भाषा और शैली के लिए 5 अंक निर्धारित किये गये हैं।) [पूर्णांक:15+5=20]

(a) 'परम्परा जड़ता की दासी नहीं है।' इस कथन की पुष्टि कीजिए। [3]
पुरानी, अनुपयोगी, अशक्त होने पर/ परिवर्तन की आवश्यकता

(b) इस आलेख में नये रूपों पर इतना महत्त्व क्यों दिया गया है? लिखिए। [2]
गतिशीलता/ विकास की शक्ति

(c) परम्परा और प्रयोग में कार्य-कारण के सम्बंध का विस्तृत वर्णन कीजिए। [4]
भविष्य की परिस्थिति का वर्तमान परिस्थिति पर/ वर्तमान परिस्थिति का पूर्व की परिस्थिति पर/ पूर्व परिस्थिति का उससे पहले की परिस्थिति पर निर्भर होना/ परम्परा प्रयोग के नये आयाम बनाती है/ प्रयोग ही उन्नत होकर परम्परा बन जाते हैं

(d) सांस्कृतिक परिवर्तन के प्रभाव पर प्रकाश डालिए। [3]
चिन्तन/ रहन-सहन/ व्यवहार

(e) 'परम्परा बनाने व तोड़ने' में मनुष्य के योगदान का उल्लेख कीजिए? [3]
रूढ़िवादिता/ विकास की अभिलाषा/ समयानुसार पुरानी परम्पराओं को नया रूप देना
[पूर्णांक:20]

Page 5	Mark Scheme	Syllabus	Paper
	GCE AS LEVEL – October/November 2013	8687	02

5 (a) उपर्युक्त दोनों आलेखों के आधार पर सामाजिक विचारों के विकास की प्रक्रिया का विश्लेषण कीजिए। [10]

प्रथम

प्रेम/ निकटता/ सुरक्षा – मानसिक, शारीरिक/ समाज के भले के लिए बने नियम/ निज विचारों के लिए कोई स्थान नहीं/ परिवर्तन के विरुद्ध/ जानवरों का उदाहरण/ भेड़ की साकारता

द्वितीय

परिवर्तन के पक्ष में/ नये विचारों का प्रयोग के रूप में सामने आना/ प्रयोग की स्वीकृति के बाद इन विचारों का नियम या मूल्य बन जाना/ समय के साथ इनका परम्परा बन जाना/ कार्य-कारण का सम्बंध

दोनों

नियमों या मूल्यों की स्थापना/ समय के साथ इनका परम्परा बनना/ रूढ़ियों को तोड़ना/ नयी विचारधारा की उत्पत्ति

(b) किसी पुरानी परम्परा को नया रूप देने के लिये आप क्या कदम उठायेगें? [5]

पुरानी परम्पराओं को समझने का प्रयत्न करना/परिवार के सदस्यों या मित्रों को अपनी भावनाओं व आवश्यकताओं से परिचित कराना/आज की परम्परा, भूतकाल की कुरीतियों का सुधार है/समय के अनुसार बदलाव लाना/नयी आकांक्षाएं, नयी मांग

(अंक लेखाचित्र के अनुसार)

(यदि यह किसी एक अनुच्छेद पर आधारित है तो अधिक से अधिक सात अंक दीजिए)

इन दोनों प्रश्नों के उत्तर 140 शब्दों की सीमा तक ही रखिए।

[भाषा और शैली:5]

[पूर्णांक:20]